लोक सेवा आयोग

नेपाल स्वास्थ्य सेवा, आयुर्वेद समूह, शल्य शालाक्य उपसमूह, अधिकृत नवौं (९) तहको खुला र आन्तरिक प्रतियोगितात्मक लिखित परीक्षाको पाठ्यक्रम

Paper II: - Service Specific

Part I: General Subject 25 Marks

१. केन्द्र तथा क्षेत्रीय स्तरका आयुर्वेद चिकित्सालयमा शल्य शालाक्य विभागको समय सापेक्ष सांगठनिक ढाँचा र सुधारका उपायहरुको ज्ञान ।

२. स्वास्थ्य सेवाको गठन र समूह विभाजन ।

३. शल्य शालाक्य सम्बन्धी रोगहरुमा प्रयोग गरिने जडिबुटीहरुको परिचय र गुणकर्म ज्ञान ।

४. वातावरणीय स्वास्थ्य -वायु, जल, पृथ्वी ।

५. दिनचर्या र रात्रीचर्या सम्बन्धी सामान्य ज्ञान ।

६. परिवार नियोजन सम्बन्धी स्थायी, अस्थायी विधीको ज्ञान ।

Part II: Technical Subject 100 Marks

1. General Surgery (शल्यतन्त्र)

1.1 Basic & applied surgical anatomy & physiology of following systems:

1.1.1 Musculo skeletal system

1.1.2 Gastro intestinal system

1.1.3 Genito urinary system

1.1.4 Respiratory system

1.1.5 Cardio vascular system

1.1.6 Nervous system

1.2 Anaesthetic Management (संज्ञाहरण व्यवस्थापन)

1.2.1 Preanaesthetic evaluation of the patients

1.2.2 General anaesthesia; Definition, stages, sign & symptoms, complications, contraindications

1.2.3 Regional anaesthesia

1.2.3.1 Nerveblock- Pudendal, axillary

1.2.3.2 Spinal anaesthesia- indication, contraindication, principles, method, complications.

1.2.3.3 Extradural sacral block- Technique, advantages, disadvantages.

1.2.4 Local anaesthesia; indication, contraindication, complication

Public service Commission

नेपाल स्वास्थ्य सेवा, आयुर्वेद समूह, शल्य शालाक्य उपसमूह, अधिकृत नवौं (९) तहको खुला र आन्तरिक प्रतियोगितात्मक लिखित परीक्षाको पाठ्यक्रम

1.3 आधारभूत शल्य (Basic Surgery)

1.3.1 शल्यतन्त्रको परिभाषा, उत्पत्ति, सुश्रुतको काल, प्रधानता र ह्रास सम्बन्धि ज्ञान ।

1.3.2 व्रणशोफ -हेतु, लक्षण, भेद, साध्यासाध्यता, चिकित्सा, उपद्रव ।

1.3.3 विद्रधि -हेतु, लक्षण, भेद, साध्यासाध्यता, चिकित्सा, उपद्रव ।

1.3.4 व्रण - व्रणपरीक्षा, अधिष्ठान, भेद, नाडीव्रण, कोथ, उत्तीयशोफ, विसर्प, धनुस्तम्भ, जालकव्रण, दग्धव्रणको निदान, लक्षण, चिकित्सा, उपद्रव ।

1.3.5 रक्तश्राव, स्तब्धता -निदान, भेद, लक्षण, चिकित्सा ।

1.3.6 रक्तधान तथा त्रिविध कर्म सम्बन्धि ज्ञान ।

1.3.7 यन्त्र, उपयन्त्र, शस्त्र, अनुशस्त्र सम्बन्धि ज्ञान ।

1.3.8 निर्जीवाणुकरण -व्याख्या, भौतिकविधी, रासायनिक विधी ।

1.3.9 रक्तविश्रावण -हेतु, व्याख्या, विधि, भेद, स्राव्य, अस्राव्य रोगहरु ।

1.3.10 मर्म, व्रणवन्धन सम्बन्धि ज्ञान ।

1.3.11 क्षार- प्रकार , गुण, दोष, निर्माण, प्रयोग र निशेद ।

1.3.12 शल्य शालाक्य रोगी परीक्षण विधिको ज्ञान ।

1.3.13 प्रयोगशालीय परीक्षा -पुरीष, मुत्र, रक्त, जठररस, यकृत, अग्न्याशय, प्रमस्तिष्क मेरुद्रव, शुक्रपरीक्षा ।

1.4 शल्य व्यवस्थापन (Management of Surgery)

1.4.1 अर्वुद, स्नायुग्रन्थी र त्वकग्रन्थीः हेतु, सम्प्राप्ति, भेद, लक्षण, चिकित्सा ।

1.4.2 भग्न, सन्धिमोक्ष रोगको निदान, लक्षण, भेद, चिकित्सा, साध्यासाध्यता, उपद्रव ।

1.4.3 कशेरुकास्थि क्षय - हेतु, विकृति, निदान, लक्षण, चिकित्सा ।

1.4.4 आघातज धमनी विकार, मन्याविकार, उरोगतविकार, उदरविकार, आमाशयविकार, आन्त्रविकार, गुदविकार, यकृतविकार, पित्ताशयविकार, अग्न्याशयविकार, वृक्कविकार, गवीनी एवं मूत्राशय विकार र वृषणविकारः निदान, लक्षण, चिकित्सा ।

1.4.5 बृद्धिरोग - हेतु, भेद, लक्षण, चिकित्सा ।

1.4.6 शुक्रनाडी छेदन तथा विकीकरण सम्बन्धि ज्ञान ।

2. शालाक्यतन्त्र (ENT & Eye)

2.1 कर्णादि शालाक्य (ENT)

2.1.1 कर्णशारीर, शब्दतरङ्ग प्रवहण, लेविरिन्थमा शब्दग्रहण, उष्टाशियन नाडी परीक्षा, वालसल्भा प्रणाली, श्रवणशक्ति परीक्षा, कक्लीया, ट्यूनीफोर्क परीक्षा विधि, कर्णरोगको साधारण लक्षण, भेद, सम्प्राप्ति, निदान, लक्षण, चिकित्सा, उपद्रव, साध्यासाध्यता,

Public Service Commission

अष्टाङ्गहृदयको मत, पाकी, मध्यकर्णव्रणशोथ, अन्तकर्णशोफको निदान, लक्षण, चिकित्सा, कर्णवेधन विधि ।

2.1.2 नासाशारीर -वाह्य तथा अन्तशारीर, नासा, कृयाविज्ञान, गन्धग्रहण, परिश्रुतीकरण, आद्रीकरण, नासा रोगी परीक्षा विधि, सम्मुख, नासा विक्षण यन्त्र परिक्षण, नासार्श, चक्र, नासिका प्रमाण, ज्ञानेन्द्रियको उत्पत्ति, नासावरोध, एडिनायड, नासास्राव, राइनाइटीस, नेजलएलर्जी, नासार्वुद, नासाक्षय, साइनुसाईटीस तथा नासागत रोगहरुको भेद, लक्षण, चिकित्सा । नासाशल्य निर्हरणविधि, नष्यकर्म ।

2.1.3 मुखशारीर -मुखका बिभिन्न अवयवहरु, ओष्ठगत, दन्तगत, दन्तमूलगत, जिह्वागत, तालुगत, कण्ठगत सर्वसर मुखपाकका रोगहरु तथा सन्धान कर्म, क्रियाकल्प, आत्ययिक सेवा सम्बन्धी ज्ञान ।

2.1.4 शिरोरोग, बिभिन्न आचार्यको मत, भेद, लक्षण, चिकित्सा, उपद्रव र साध्यासाध्यता ।

2.1.5 आधुनिक ज्ञान – Caloric test, vestibular function test, tinnitus, traumatic rupture of tympanic membrane, neoplasm, myringitis, otitis externa, labyrinthitis, mastoiditis, common cold, nasal polyp, rhinorrhoea, epistaxis, malignant tumours, diphtheria, pharyngitis, laryngitis, peritonsillar abscess, tonsilitis, foreign body in different ENT & eye diseases.

2.2 नेत्र शालाक्य (Eye)

2.2.1 शालाक्यतन्त्रको निरुक्ति र संक्षिप्त इतिहास ।

2.2.2 नेत्रशारीर -निरुक्ति, उत्तमांग, नेत्रशारीर, आकृति, पांचभौतिकत्व, नेत्रभाग, मण्डल, सन्धि, पटल,। वन्धन, धातु, उपधातु सम्बन्धि ज्ञान, वाग्भट्टको मत ।

2.2.3 नेत्र शारीर क्रिया -नेत्राभ्यन्तर द्रव, नेत्रगोलकको तनाव, नेत्रतन्तु, लेन्स, दर्शनको कृया विज्ञान ।

2.2.4 नेत्र परीक्षा -वर्त्म परीक्षा, वर्त्मशुक्लगत परीक्षा, अश्रुयन्त्र प्रणाली, कर्णिकाको विशेष परीक्षा, स्वभाविक तथा अस्वभाविक नेत्र परीक्षा ।

2.2.5 आश्रयगत रोगहरु -सन्धिगत, वर्त्मगत, शुक्लगत, कृष्णगत, सर्वगत, दृष्टिगत, अभिघातजजन्य व्याधिको हेतु, भेद, लक्षण, चिकित्सा ।

2.2.6 परावर्तनजन्य विकारहरु-परावर्तन त्रुटी, परावर्तन दोष,एकजीयल डिफेक्ट्स, त्रियकत्व दोष, एफेकिया ।

2.2.7 शस्त्रकर्म - लिंगनाश, अर्श, अर्वुद, अलोनीपोथकी शिराजाल सम्बन्धि ज्ञान ।

(((((())))))

Public service Commission